तर्ज--हुई शाम उनका ख्याल

हुई क्यों रब्द ये सवाल आ गया
कहां से फना का ख्याल आ गया

1--नही दिल हमारे मे था,पिया कुछ तुमारे सिवा
जुदा तुमको कह कर तुम्हे यूं भुलाकर
अचानक ये क्या हो गया
कि रूहों का कैसा ये हाल हो गया

2--तेरे इश्क का था सरूर,ना सोचा था हम होगें दूर
मगर तुमने हमको ऐसे जतन से,
दिखायी माया भरपूर
कि वाणी से अब ये हवाल आ गया

3--हुआ क्यूं ये हमसे कसूर,पिया अगं तेरे के नूर
यही हम है जिनके लिए तुम यहां पर
बने आप आशिक हजूर
उसी आशिकी पे मलाल आ गया

Nijanand App